फार्म

अचल संपत्ति विवरणिका वर्ष 2013-14

प्रथम नियुक्ति के समय अचल संपत्ति का विवरण वर्ष 2013-14

1. अधिकारी/कर्मचारी का पूरा नाम रवि प्रकाश अरोरा 2. वर्तमान धारित पद सहायक मंत्री 3. कार्यालय का नाम मुख्य अभियंता (परीक्षण एवं उन्नयन) जबलपुर

4. वर्तमान वेतन .... 5. भविष्य निधि क्रमांक 22694607 6. कर्मचारी संख्या 8443462

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित हो	संपत्ति का नाम तथा ब्यौरे: गृह तथा अन्य भवन	भूमि	वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका मंडल अधिकारी/ कर्मचारी से क्या संबंध है	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया खरीद, पट्टो, बंधक विरासत, भेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जितकी गई हो उसका नाम तथा ब्यौरा	संपत्ति से वार्षिक आय	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
जबलपुर बेदीनगर खसरा 541/1,2	म. नं. 2363/1B	—	बीस लाख रुपया	स्वयं के नाम पर सन् 2000	25'x50' प्लाट खरीदकर बैंक से लोन लेकर स्वयं की आय से मकान बनाया	स्वयं के रहने के लिए	सन् 2000 में मकान बनाया
तहसील/जिला दुर्ग मौजा रिछाई ग्राम रिछाई		30'x50' Plot	एक लाख रुपया	पत्नी के नाम पर श्रीमति किरण अरोरा	मदन लाल चावला 26 जन 2015 मै. प्राण देव शर्मा आधारताल रामपुर	— ✗	पत्नी आशा... स्कूल में कार्यरत है उनके स्वयं की आय से प्लाट खरीदा है।

हस्ताक्षर (signature)

नाम रवि प्रकाश अरोरा

पद सहायक मंत्री

* जहां लागू न हो काट दीजिए

** ऐसे मामले में जहां मूल्य का सही–सही निर्धारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के संदर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए

*** इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्मिलित हैं

टिप्पणी–मंडल द्वारा ग्राह्य म.प्र. शासकीय सेवक (आचरण) नियम, 1965 के नियम 19(1) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक 12 महीने की अवधि के पश्चात् यह घोषणा पत्र भरकर प्रस्तुत करें और उसमें वह उसके स्वामित्व की तथा उसके द्वारा अर्जित अथवा उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर अथवा किसी अन्य लंबित के नाम से पट्टे या बंधक पर धारित स्थावर (अचल) संपत्ति का विवरण देवें।

इस कार्यालय उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें।

संलग्न — उपरोक्तानुसार